

अलिखत पुं. (तत्.) दे. अलिखत।

अलिवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. भौरों का घूम-घूम कर विभिन्न फूलों से रस चूसने का स्वभाव या प्रवृत्ति 2. साधु-संतों, ब्रह्मचारियों आदि का स्थान-स्थान से भिक्षा एकत्र करने का व्रत, तप या वृत्ति, मधुकरी वृत्ति।

अली स्त्री. (तद्.) सखी, सहचरी, सहेली पुं. भ्रमर, भौरा (अर.) मुसलमानों के चौथे खलीफा, मुहम्मद साहब के दामाद और इमाम हुसैन के पिता।

अलीक वि. (तत्.) 1. लीक से हटकर, बिना सिर-पैर का 2. मिथ्या 3. झूठा स्त्री. अप्रतिष्ठा, अमर्यादा पुं. मस्तक, ललाट।

अलीकी वि. (तत्.) 1. अप्रिय, नापसंद 2. असत्य।

अलीन वि. (तत्.) 1. जो तल्लीन या दत्तचित्त न हो 2. अनुपयुक्त, अग्राह्य पुं. 1. दरवाजे की चौखट का बड़ा स्तंभ, जिसमें पल्ला जड़ा होता है 2. दीवार से सटा (बरामदे आदि का) खंभा।

अलील वि. (अर.) 1. रोगी, अस्वस्थ, कमजोर, शक्तिहीन 2. दूषित, रोग फैलाने वाला, रोग उत्पन्न करने वाला।

अलीह वि. (तद्.) दे. अलीक।

अलुक्-समास पुं. (तत्.) व्या. तत्पुरुष समास का एक प्रकार जिसमें पूर्णपद की विभक्ति का लोप नहीं होता जैसे- 'युधिष्ठिर' में 'युधि' शब्द की सप्तमी विभक्ति का लोप नहीं हुआ है।

अलूना वि. (तद्.)(तत्.) अलवण) 1. बिना नमक का, फीका 2. नाश. सौंदर्यहीन, असुंदर, अनाकर्षक।

अलेख वि. (तत्.) 1. जो गिना न जा सके, बेहिसाब, अनगिनत 2. दुर्बोध 3. अज्ञेय 4. अलक्ष्य, निराकार पुं. परमेश्वर।

अलेखा वि. (तद्.) जिसका लेखा (संभव) न हो, बेहिसाब, अनगिनत।

अलेखी वि. (तद्.) 1. अभूतपूर्व 2. जो कभी देखने में न आया हो 3. अलिखित 4. अलक्षित।

अलेप वि. (तत्.) लेप-रहित, निर्लिप्त पु. 1. लेप का अभाव 2. परब्रह्म।

अलेपक वि. (तत्.) 1. निर्लिप्तता 2. जो किसी में लिप्त न हो 3. बेदाग 4. लिप्त न करने वाला पुं. परब्रह्म, परमात्मा।

अलैंगिक वि. (तत्.) 1. जो लिंग से संबंधित न हो 2. जो नर-मादा के सहवास या जननिक संसर्ग से संबंधित न हो 3. जो यौन क्रिया से उत्पन्न न हो asexual

अलैंगिक जनन पुं. (तत्.) जनन का वह प्रकार जिसमें वनस्पति के अंग की विशिष्ट कोशिका जो बिना किसी दूसरी कोशिका से युग्मन ही नए जीव में परिवर्धित हो जाती है तुं. लैंगिक जनन, वर्धी जनन, दाग रहित।

अलोक वि. (तत्.) 1. जो दिखाई न दे, अदृश्य पुं. 1. लोगों का अभाव 2. अदृश्यता, निर्जन, एकांत परलोक विलो. लोक।

अलोकना स.क्रि. (तद्.) 1. देखना, ताकना 2. अवलोकन करना।

अलोकनीय वि. (तत्.) अदृश्य, जो दिखाई न पड़े।

अलोकित वि. (तत्.) बिना देखा हुआ, अनदेखा।

अलोक्य वि. (तत्.) 1. जिसे करने से स्वर्ग लोक की प्राप्ति न हो सके 2. अलौकिक, असाधारण 3. लोक द्वारा अमान्य बुरा (स्वभाव आदि)।

अलोचन वि. (तत्.) 1. नेत्रहीन, जिसकी आँख न हो 2. बिना खिड़की का (मकान)।

अलोना वि. (तत्.) 1. लवण रहित, बिना नमक का, जिसमें नमक न पड़ा हो 2. फीका, स्वादहीन 3. लावण्य रहित।

अलोप पु. (तत्.) हिंदी तथा अन्य आर्य भाषाओं में स्वन-परिवर्तन की वह प्रक्रिया, जिसमें शब्दांत और अक्षरांत में 'अ' स्वर का उच्चारण नहीं किया जाता उदा. 'राम' 'अजगर' का उच्चारण 'राम्', 'अजगर्' आदि में 'अ' का लोप होने की स्थिति।